TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4352**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥६॥ श्रीशांतिजिणेसरनवणदिणेसरपाया।पणमीयवरकेवलत्रिगाइसुकंरिषिराया।श्रीपाढउ
नीसरउमिउजगिदिश्रथंनानाटकिनाविनाणा।मझेकेवलनाण॥ ॥नाटिकनाचंगाकेव
लपामीयविसुणउतेहविचार।श्रवणेसुणतां नाविनणंतालहीयइनवनाधार वकलप
श्राहारकरइमनिरंगिइासुनिवरमहिम रंगनायकश्रीदेशालहीराजउयह नयरीमां
हिपडकंतानउनिमारगिइर्यासुमति सोधनउचालउ।एषणांइस्वरउमीहनली
परिमाहलइ।धवलअद्दहेषीविहरणपक्त नउजांमामनोहरमोदिकएकविहरावइनां
मानेमोदिकलेइमुनिवरवलिजामनिमा हिचिंतइलामाणनाढनाचेजानइढोस्यइ।एह
नउनंदीसुफलामनोरहइमिउविमासीविद्यामाधीवरुरूपनिणिकीधउ।वलीजवमाइमंदिरप
श्रावीधर्मलाभजईदीधउ वलीतेहनाबीश्रावीमुनिवरपामिमोदिकवहराववइ।श्रावणी

मतिउज्ञानि सुविमादिक लेई वली अचिंतइ मोई ॥ एमोटउ मोदिक थुकमाद्रानइ ह्दो ई ॥ श्री ॥ आउरे
इस्तुविमामां श्रतिसोवनमडरूपश्रनापमकीधउ ॥ मानवनउमनमाहें तुसतिवरधर्मलानजईदी
धउ ॥ बिवउसुविनराउअनिरथडरिषिबुजरू धकंखा ॥ बेटीनइकहइइहारापउ ॥ कल्हइहृध
रिषजुउ [illegible] ॥ नवयण श्रवणसुणी कामनिकीधउमिणप
गारा ॥ रिषिश्रागलिकनीरहीआणीने इश्रूपार ॥ [illegible] ॥ श्रतिनेइआणीमकर
वाणीवीनवइ वरकामिनी ॥ रिषिएकवार श्रस्याजोवइसोमहउ ॥ पायलागाडइमिनी
इणिरइउमंदिरसुपणसुंदर रहीयलीलांसे मवउ ॥ एकवणया गानिडिस्रजोगाथोवनदी
इश्रतिनवउ ॥ [illegible] रिषरितिथ्यामंगवी ॥ श्रुत्तर्लणपाया ॥ सूरनपडसिरिश्राकरउ ॥ उसअंकलीकाय
॥ [illegible] ॥ उरसअंकलीयकाया कांविनमाया ॥ घ्रम ॥ धारइचालवउ ॥ एपंचमहाव्रतइधरदाहिउं 2

सुधंअंमंडमणा॥२७॥ अनिउसुरंपाणीआभणवाणीआणेजसुवाणीनवंगधरिससुधंअमोकनाडू
अंगदमिलमडउहिलअ॥ आनेवअमविकलागुणसुंदरीआवेसुंदरसुजाण॥ एदवानसुगतीअवड
मकुरामितअराण॥२८॥ जडशणकरिमि॥ अडहिवरमिताधीयमरिमउजेढलवमनहीका॥
ईकांचअअवइमावअनापीयमाडिमम ढलअकांईकरमयोगइउदयआव्या॥ नाम
फलमावइकरी॥ रिविवालदईसुगुरु॥ वंदणा॥ आवइआतिकउरधरी॥२९॥
आव॥ मारगिआनिउमवलआचिनकउन दीगमिाइणिपरिदीवअआवअं॥ जालिवंका॥
ईअकिरम॥३०॥ महिसुकजायइमारनी॥ वअ कवा॥ आगीवार॥ वदरणवेलाटलिगाईअववअ
सरआपार॥३१॥ महियुकमाहमाआवीया॥ आवउडःदकरकाठाआङअसरकजकिहांथसुंकि
हावागीवार॥३२॥ निणवयणकविइटकीयअ॥ बोलइदइआबोलाधमिथरिनिछ्यमांगीवाली 2

उसरणकोल॥३३॥ बावीमपरीमाडीपवाचवअंवलवंन॥ निषापरीमहकांलेदीसअ॥ तिहसागुणवंत॥
॥३४॥ रीमंआणीरिविवीनवडामनिसुकीलाऊ॥ एहितमीघअस्वारमी॥ अस्यनथीकाज॥३५॥
मलीमीहनअ॥ एहवयणअवणेसुणी॥ महियुकहूणइमीमावलिहारीजिनबोलमडावलीएदसअ
नउआमीमोरा॥३६॥ विषयनगडीयमनेनर नारीकुडदामोरा॥ पायपणमंडवली॥ आवली॥
सुरवकनइमाडारीया॥ एविडजावलीरा॥ होडानअनरमारीमगनिडामीलरहितंजो
इरा॥३७॥ बनकुईपाकांपामला॥ आसार॥ करइउपवामानेकुनपथीइकियाडवलग
इनारीमावलीपामीरा॥३८॥ मीदमवलवमिआणीयडाकुंडरमाढीकांनि॥ मारीस्हकडफारतीअ
आरावयणेमानेरा॥३९॥ तलविनादीवअनपडमोनंअसुगंधउरदोडा॥ तउनरमारीमगनिडामीला॥
रहितनअजोडरा॥४०॥ आमेमनएहवउचेचलवंअवलीवयरीमअघालइघामांनदेषणमरिमानमांडी 3

मा॥ अवसर जाणी कहि कउण वातो रे॥ [red ink]॥ रिषि कहइ समाद कं मन वेधी ते देषी नरावी वेसमा तेह मंदिर
मइ जाइ सवे जे केडइ ते जतन आदेसो रे॥ [red ink]॥ मेलखे रवे अणसरु कसुकवड॥ ते मां नलिमिक आसु
जाणा॥ अनली जेनविषे मीजइ वारत जोइ वली॥ प्राणी॥ [red ink]॥ मेलल्लि वनवहने कउ ना कीजइ
मदिरा पांना ति डांजई नइ ते टालउं आ सुया॥ नइ दय ते मानरे॥ [red ink]॥ इति
नेह आणी कामिनी॥ जोइ ठिप्रीउ मीवा॥ यादी वउ तिमेरी आव श्रा पृष्ठ गावउरे विनप
नी आपा र कि॥ [red ink] वीउ महंते घरि आविवि॥ धमणी रे लाषी णवं हार कि॥ जं आप ठं रेमा
नी यमं मार कि॥ [red ink] मवउ घा मं॥ दसमा नीया मने ट रहा ल्या का वा॥ आषाढ नति
घरि आवीया॥ ना शिवय णी रतिहां थे लडना वकि॥ [red ink]॥ श्रमनय णीतेमा ननी॥ मां नलअ एक वय
ण अस्सा कं सा या जउ मां ममदि रालल मिउं नवर हिवानी अ दसा पाल मिउं वा वकि॥ [red ink] मांजी बोल ३

मंदिर राषि॥ परइ सति मनकी आमा॥ लीलां लक्षिमेलइ यणी॥ रूप इसा तिपतिरे लील खिला मकि॥ [red ink] पा॥
इपटा लांचां पीजइ॥ लीजइ सतिउ श्रन आहार॥ कथरवा मित नविफली॥ मखी मागर रे तिहां जी लइ अपा॥
रकि॥ [red ink]॥ नाटकी आपर देसमना॥ आवीया॥ नधरी अतिमान॥ चालि अनेह नइजी पवा॥ सविपद
मनीरि कर इसा करणी पां नकि॥ [red ink]॥ तेजी॥ पीनइ आवियउ॥ उहन तउ नमंदिर मांहि॥ मांन
वि रूणी सुंदरी॥ देषी जामि उरहीय मधरी॥ यविराग॥ कि॥ हवइ रहि वा मन जउ नही कों
ला ई ना कि॥ [red ink]॥ मदया॥ रीतिमां ननी॥ ए कीवा॥ लिउरे हीय मधरी यवइरा॥
गकि॥ हवइ रहि वा मनउ जउ नहीं कांई ना गा॥ हवसमा॥ सासाध मिउं घा तिन वे॥ [red ink] जान उडां णीक भ
री॥ मद कमरी रे आकुलीव ई अपारा नविजा एर एमय रमामा रकि॥ इम पियउ विपा ली उल इरा॥ [red ink]
य अकरती पटमिनी॥ उवि आवी पीअ कहिमां गइ मांना॥ यउ दि अवये श्र सम नइ जीवी दांन॥ अपराध श्र 4

हारवमासवेरा॥३१॥ श्रीपीरुकहूंइमांगइगांतापहृदिसवडहेत्रसमनइजीवीदंताआपसयब
तणीनिसाजसीनिमित्तरत्नसाकउनेहाउफवकमनउइथमइवेहाजेउमायाइमननोतवित्त॥३२॥
लङ्कलगइकउजाजीआस्रमइकोवरविद्याउडांण नेथकतणीरनविमानीआणाजउविघटातणइर
मिवा हित्तरा॥३३॥ हिववासमजामणीमइनोबि उरचिंतामणिसार।मइवंदनरवलीकीधउजा
राङ्उलीवाउाकारणकरी॥३४॥ नवउ नेमाजेमाव्या।मइहरतणारेआंनेमाजेपा
मइपामाामहिलानायोगा॥ हिवजीववउनां। दीरा॥३५॥ तिमनोहरमानिनीनेहं मिवमि
उआविहमाघउमनदाने थारिउनइक्रिमदीज इवेहाजउनरगातणीवांगाकरी॥३६॥ करजो
जीकामिनीकहइ।पीकिमाटिकएकनेहवंककरीजाउ।डिमराजाआखिकआ।पइपमाउ॥जिमकहुंव
मस्तखरवनोमइहइ॥३७॥ हववासमानीकरीजाइराजमनाइसुंदरसुजांणा।निहांनाहिकमांगइआति ४

हिमंगणाजोनावइलरथेमरत्नणीर॥३८॥ थांनमइक्रमरनिहांमित्यां॥ विवहारीयानाउंआनिहियरूप
निहांवइगारजाइबिरूप।जोरिहिरचीनरथेमरतणीर॥३९॥ नवनआरीमावंकरी।रिधिवइगलेई
मिवमणगारा।एकहूंमी।विणकरजउहूणआप रानेदेवीअनिनिनावइचक्रिहेरे॥४०॥ निहांविरम
रंगइहरीजाफलनहलहेरफ्तपुत्तकवलनांन पदमामनहरीकरइवधाण।जउनावसंदेह।
हरे॥४१॥ वमइकंथरनिहांकेवलीउ आव्याथानाटकनइकाजि।नणिपामिउ।
रवलीउगनिंवराजा।जउरिधिनीनावनानाव नार॥४२॥ [illegible]॥नरारराजमदजाणी
इ।मिथरथनामनिरहूए।मिश्रकर्मानटनिहांव। मइमांनिरूपनिहूइए॥४३॥ जीरउआयादूनि
नीनांकजा।नावमानेपरमाण्एए।नरथउनाटकिनावनां।पामिउकेवलनाणए॥४४॥ जो॥ नवनसुंदरिज
यमुंदरिरूपइमोहनकेइएकाईकेनवुकालनिहांरहिउआघाडरूतिसुणिइए॥४५॥ श्रीमुनवर्द्धन

मकतणे।चलणे।अविचलवासएण।नामिनवनिथिपमीयइ।फलीइमनकीआसएण।पत्रजीश।तेयुकतणइसुप
मावलि।हीयइधरी।आणंदएण।आषाढसुतिरिषिमाई।आपामीउंपरमा।णंदएण।पत्रजीश।केवललद्धीसुग
तिइगया।श्रीधर्मकीर्त्तिगुरुकमीसएण।पांचमइपा रवारिपरिवस्या।तेहसंघनीआमीसएण।पत्रजीन
ऊनरनारीनावर्तिउपायसिगीनरमाइएण। तिहांघरिअवचलवधामणा।घरिरमंगतव
माइएण।।इतिश्रीआषाढभूतिरास।। भाभाआविकालावलदेपठनार्थ।।छ।।